

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवेश - १

रविवार, १५ जुलाई, २०१२

समय : सुबह ९.०० से ११.१५

कुल गुण : ७५



अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए ।

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन

परीक्षार्थी का अभ्यास

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरीक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर

☞ पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (४)	
	६ (४)	

विभाग-१, कुल गुण (३३)

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (४)	
	९ (५)	
	१० (४)	
	११ (६)	
	१२ (४)	

विभाग-२, कुल गुण (३२)

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१३ (१०)	

विभाग-३, कुल गुण

मोडरेशन विभाग माटे ५

गुण शब्दोंमां
चेकर - नाम

परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. आगे के मुख्य पृष्ठ पर परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ बारकोड अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए ।
२. परीक्षार्थी को स्पष्ट और सुंदर अक्षर से आगे के पन्ने में मांगी हुई विवरण को लिखना अनिवार्य है ।
३. आप उत्तर पुस्तिका (जवाबवही) में कही भी, किसी भी जगह पर अपना नाम मत लिखें ।
४. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरीक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।
५. बिना वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।
६. प्रश्न के गुण →

गुण : १	
---------	--

 ← परीक्षक को प्रश्न जाँचकर गुण लिखने की जगह
७. परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।
८. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।
९. परीक्षा खंड के बाहर और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।
१०. परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'सबस्टीट्यूट राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद्द गीनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद्द मानी जाएगी ।
११. मुख्य परीक्षा के दिन उत्तरवही के इलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे ।

Important Instructions For Satsang Exam Students

1. Please do not damage in any way the bar code printed on the front page.
2. Please write clearly and legibly.
3. Do not write your name on the answer book.
4. On the day of the Final Satsang Examinations, all examinees should obtain the signature of the class supervisor on the answer sheet bearing their own personal details only.
5. Answer books without the signature of the Class Supervisor will **not** be considered **valid**.
6. Marks for Question →

1 Mark	
--------	--

 ← Space for Examiner to write marks
7. Write your answers with either a blue or black pen only. Answers written in pencil, or with a red, green or any other coloured pen will not be considered valid. Answers written in more than one coloured ink will not be considered valid.
8. Follow the instructions while answering. Answers crossed out will not be considered valid.
9. Examinations taken at **unauthorized locations** or in which the exam rules have been violated will not be considered valid.
10. Without the prior permission of the Pariksha Karyalay in Ahmedabad, answer papers written by substitute writers in place of the original candidate will not be accepted. Answer papers with more than one type of handwriting will not be accepted.
11. In Main Exam answers written on extra pages will not be considered valid.

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१	
----------------------------------	-------------	--

प्रवेश-१

विभाग - १ : नीलकंठ चरित्र

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. "आप सभी के कल्याण के लिए वे आ रहे हैं ।"

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

..... गुण : ३

२. "आज मैं देवा भक्त को लेकर खीरे ले आऊँगा ।"

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

..... गुण : ३

३. "साधु को कभी भय नहीं रखना चाहिए ।"

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक   केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. नीलकंठवर्णी ने लोज में रामानंद स्वामी के आश्रम में निवास करना श्रेष्ठ समझा ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

२. नीलकंठवर्णी के दर्शन होते ही भालू रोने लगा ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-४	प्र-५	प्र-६
----------------------------------	-------------	-------	-------

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. प्रेमजी ठक्कर खास आसन किसको देना चाहते थे ?

गुण : १

२. नरसिंह मेहता को गिरनार में कौन-सी आकाशवाणी सुनाई दी थी ?

गुण : १

३. पीथलपर के जानबाई को कौन-सा नियम था ?

गुण : १

४. नीलकंठवर्णी जगन्नाथपुरी के मंदिर में कहा बैठकर ध्यान करते थे ?

गुण : १

५. रामानंद स्वामी को वैष्णवी दीक्षा किसने और कहाँ दी थी ?

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. नीलकंठवर्णी बुटोलनगर में ।

गुण : २

(१) राजा महादत्त और सुशीलारानी ने उद्यान के बंगले में निवास करने का प्रस्ताव रखा ।

(२) राजा साधु-महात्मा को अपना रोग दूर करने के लिए प्रार्थना करते रहते थे ।

(३) नीलकंठवर्णी सदा संयम-दृष्टि रखते थे ।

(४) राजा महादत्त और बहन सुशीलारानी को अपने दिव्य स्वरूप का दर्शन दिया ।

२. नीलकंठवर्णी और लाखा कोली

गुण : २

(१) जीवित को मार डालने का तुम्हें क्या अधिकार है ? (२) मैं जाति से कोली हूँ ।

(३) ऐसे पापकर्म से तुम छुटकारा कैसे पाओगे ? (४) मैं जाति से माली हूँ ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ६ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । (कुल गुण : ४)

१. जलपात्र में गंगाजल नीलकंठवर्णी के लिए ले आये ।

गुण : १

२. नीलकंठवर्णी ने गाँव के लाखों रुपये की आयवाले मठ के महंतपद का त्याग किया ।

गुण : १

३. भावसार भगवानदास को उसकी माँ ने को खोजने भेजा ।

गुण : १

४. पुलहाश्रम में तप करते नीलकंठवर्णी की दोनों ओर अंतरिक्ष में और

गुण : १

..... दिव्य देह से उपस्थित रहकर उनकी रक्षा करते थे ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - १

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. “तुम्हारे घर की देहली के पास कुमकुम के पाँच चरणचिह्न दिखाई दें तो मेरी बात सच मानना ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

गुण : ३

२. “मैं अकुलीन, कुटिल, कुपात्र हूँ, बुद्धिहीन भी हूँ ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

गुण : ३

३. “ऐसी कठिनाईयों में भी जो आनन्द-सुख दे सकें, ऐसे समर्थ व्यक्ति ही ऐसी स्थिति में माँगने की हिम्मत कर सकते हैं ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ४)

१. जीवुबा चार नाम से पहचाने जाते थे ।

.....

.....

.....

गुण : २

२. श्रीजीमहाराज का समागम करने आये झीणाभाई घर से आयी चिट्ठियाँ पढ़ते नहीं थे ।

.....

.....

.....

गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ४)

१. लाडुदानजी ने श्रीहरि के प्रथम दर्शन के समय कौन-सा कीर्तन बनाया ?

गुण : १

२. सर्वमंगल स्तोत्र में झीणाभाई को कौन-से नाम से याद करते हैं ?

गुण : १

३. निर्गुणदास स्वामी कौन सा पद बार बार बोलते थे ?

गुण : १

४. ब्रह्मानंद स्वामी ने अहमदाबाद मंदिर के लिए किसके पास कैसा भूमिदान के लिए लेख करवाया ?

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.११ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । (कुल गुण : ६)

विषय : खैया खत्री के साथ शास्त्रचर्चा ।

१. प्रत्येक सन्त को चार हाथ का टाट देते थे । २. खैया खत्री ने महाराज के साथ शास्त्रचर्चा करने की अपनी इच्छा व्यक्त की । ३. एक शिखर के बदले पाँच शिखरोंवाले मन्दिर का प्रारम्भ कर दिया । ४. खैया तो दुबिधा में पड़ गया कि इन दोनों में स्वामिनारायण कौन ? ५. वरताल में नरनारायण भगवान की प्रतिष्ठा भी हो गई । ६. यह छोटा साधु ब्रह्म है और ऊपर बैठा हुआ मोटा साधु भी ब्रह्म है । ७. घनश्याम नाम से महाराज ने अपनी मूर्ति की भी स्थापना की । ८. महाराज ने मांडवी में अपनी गद्दी पर ब्रह्मानन्द स्वामी को बिठाया । ९. बिना वहाँ गये, कोई चारा नहीं हैं । १०. इनके उत्तर तो ये हमारे शिष्य देंगे । ११. गवर्नर माल्कम साहब से मिले और मन्दिर के लिए आवश्यक भूमिदान के लिए यावच्चन्द्रदिवाकरौ लेख करवाया । १२. ब्रह्मानन्द स्वामी एकदम पाट पर से उतर गये और महाराज को पाट पर गद्दी पर बिठा दिया ।

(१) केवल सही क्रमांक गुण : ३

(२) यथार्थ घटनाक्रम गुण : ३

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । (कुल गुण : ४)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

१. सद्गुरु शुकानन्द स्वामी : आज उठने में विलम्ब हो गया था, सभी सन्त समय से घेला नदी से स्नान करके लौटे थे । स्वामी इस चिन्ता में थे कि अब उनके साथ उठकर नदी पर कौन आयेगा ।

उ.

गुण : १

२. स्वामी निर्गुणदासजी : मेरा कोई अपराध हुआ हो, आपकी आज्ञा के अनुसार मैं कार्य न कर सका होऊँ तो क्षमा कीजिएगा । अब मुझे गाँव पहुँचा दीजिए ।

उ.

.....

गुण : १	
---------	--

३. भक्तराज जीवुबा : मैं शादी करके प्रभुभक्ति करना चाहती हूँ । जीवुबा राईबाई के हृदय की भावना समझ गई । उन्होंने अपने पति को समझाया कि वह राईबाई को प्रभुभक्ति के लिए छुट्टी दे दे ।

उ.

.....

गुण : १	
---------	--

४. भक्तराज जोबनपगी : मैं तो आपके भगवान का सिर्फ बड़प्पन जानना चाहता था, आज आप भले ही रास्ता रोककर मेरा काम बिगाड़ दें, लेकिन आखिर ये गुरु दूसरे गाँव जब जायेंगे तब आप क्या करेंगे भला !

उ.

.....

गुण : १	
---------	--

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक   केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१३ निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ३० पंक्ति में निबंध लिखिए । (कुल गुण : १०)

- मेरे अंतर की वीणा की झंकार : भक्ति और करुणा का सागर ।
- तरुणों के आदर्श - नीलकंठवर्णी ।
- अपनी सच्ची शोभा - नियम-धर्म ।

()

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

